R

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

संस्कृत पारंगत (एम्.ए.) नियमित

परीक्षा: जून – २०२२

सत्र २ रे

विषय: वैदिक साहित्य (19R3201)

दिनांक: २०/०६/२०२२	**गुण : ६०**	**वेळ : दु. २.०० ते ४.३०**

सूचना: १) उजवीकडील अंक त्या प्रश्नांचे गुण दर्शवितात. २) सर्व प्रश्न सोडवणे अनिवार्य.

प्र.१. ऋचोः सटिप्पणमनुवादं कुरुत। **(१२)**

१. याति देवः प्रवता यात्युद्वता याति शुभ्राभ्यां यजतो हरिभ्याम्।
आ देवो याति सविता परावतोऽप विश्वा दुरिता बाधमानः।।

२. उपायातं दाशुषे मर्त्याय रथेन वाममश्विना वहन्ता।
युयुतमस्मदनिराममीवां दिवा नक्तं माध्वी त्रासीथां नः।।

३. गोमातरो यच्छुभयन्ते अञ्जिभिस्तनूषु शुभा दधिरे विरुक्मतः।
बाधन्ते विश्वमभिमातिनमप वर्त्मान्येषामनु रीयते घृतम्।।

प्र.२. ऋचोः सटिप्पणमनुवादं कुरुत। **(१२)**

१. ये त्रिषप्ताः परियन्ति विश्वा रूपाणि बिभ्रतः।
वाचस्पतिर्बला तेषां तन्वो अद्य दधातु मे।।

२. पथ्या रेवतीर्बहुधा विरूपाः सर्वाः सङ्गत्य वरीयस्ते अक्रन्।
तास्त्वा सर्वाः संविदाना ह्वयन्तु दशमीमुग्रः सुमना वशेह।।

३. उतेयं भूमिर्वरुणस्य राज्ञ उतासौ द्यौर्बृहती दूरेअन्ता।
उतो समुद्रौ वरुणस्य कुक्षी उतास्मिन्नल्प उदके निलीनः।।

प्र.३. इन्द्रदेवतां सोमदेवतां वा वर्णयत। **(१२)**

प्र.४. टिप्पणीचतुष्टयं लिखत। **(२४)**

१. गोत्रमण्डलानि
२. उपनिषदः
३. ब्राह्मणानि
४. शालानिर्माणम्
५. नासदीयसूक्तम्
६. कल्पवेदाङ्गम्